

प्रेषक,

डॉ० पी०एस०गुसाई,

सचिव,

उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

समस्त जिलाधिकारी,

उत्तराखण्ड।

सहकारिता, गन्ना एवं चीनी अनुभाग:-1

देहरादून, दिनांक 24 जुलाई, 2012

विषय:- चालू वित्तीय वर्ष 2012-13 के लिये सहकारिता विभाग के आयोजनागत पक्ष में जिला योजना (एस०सी०पी०) हेतु वित्तीय स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक निबन्धक, सहकारी समितियां, उत्तराखण्ड के पत्र संख्या:-1728/नियो०/जिला योजना/2012-13 दिनांक 27 जून, 2012 तथा वित्तीय स्वीकृतियों निर्गत किये जाने विषयक वित्त विभाग, उत्तराखण्ड शासन के आदेश संख्या:-321/XXVII (1)/2012 दिनांक 19 जून, 2012 व लेखानुदानावधि हेतु स्वीकृति सम्बन्धी आदेश संख्या:- 854/XIV-1/2012 दिनांक 07 मई, 2012 के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वित्तीय वर्ष 2012-13 के आय-व्ययक में सहकारिता विभाग के आयोजनागत पक्ष में जिला अनुश्रवण समिति द्वारा अनुमोदित जिला योजना (एस०सी०पी०) हेतु कुल ₹45,38,000/- (रुपये पैंतालीस लाख अड़तीस हजार मात्र) की निम्नलिखित शर्तों के अन्तर्गत व्यय हेतु निवर्तन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

- (1) इस सम्बन्ध में स्पष्ट किया जाता है कि अतिरिक्त अनुदान की प्रत्याशा में अनाधिकृत एवं अधिक व्यय न किया जाय।
- (2) सभी कार्यक्रमों की वार्षिक/मासिक लक्ष्यों का निर्धारण धनराशि के आहरण पूर्व तत्काल किया जाय तथा उक्त निर्धारित लक्ष्यों को वित्त, नियोजन विभाग को भी अवगत कराया जाय।
- (3) उक्त धनराशि ऐसे किसी मद/कार्य पर धनराशि व्यय न की जाय जो योजना में स्वीकृत नहीं है, यदि इसका उपयोग अन्यत्र अथवा किसी अलग मद में किया जाता है, तो सम्बन्धित अधिकारी/आहरण एवं वितरण अधिकारी इसके लिये स्वयं जिम्मेदार होंगे तथा उनके विरुद्ध कठोर कार्यवाही की जायेगी।
- (4) उक्त धनराशि का योजनावार व्यय प्रत्येक माह या अगले माह की 5 तारीख तक बी०एम०-13 पर नियमित रूप से वित्त विभाग एवं शासन तथा महालेखाकार उत्तराखण्ड को भिजवाना सुनिश्चित करें।
- (5) उक्त व्यय शासन के वर्तमान नियमों/निर्देशों के अनुसार किया जायेगा तथा यह सुनिश्चित किया जाय की उक्त धनराशि को किसी ऐसे कार्य/मद पर व्यय न किया जाय जिसके लिये वित्तीय हस्त पुस्तिका तथा बजट मैनुवल के अन्तर्गत शासन/सक्षम अधिकारी की पूर्व स्वीकृति अपेक्षित हो। प्रशासनिक व्यय में मितव्ययता नितान्त आवश्यक है। व्यय करते समय मितव्ययता सम्बन्धी जारी आदेशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय। वित्तीय हस्त पुस्तिका में उल्लिखित सुसंगत नियमों का कड़ाई से अनुपालन किया जाय।
- (6) यह सुनिश्चित किया जाय कि गत वित्तीय वर्ष में स्वीकृत धनराशि का उपयोगिता प्रमाण पत्र, व्यय विवरण सहित शासन/महालेखाकार उत्तराखण्ड को 15 दिन के अन्दर उपलब्ध करा दी जाय।

(2)

(7) समितियों को अनुदान/राज सहायता/अंशदान दिये जाने से पूर्व सम्बन्धित नियमों, मानकों/शासनादेशों का अक्षरशः पालन किया जाय।

(8) सम्बन्धित जिलाधिकारी का यह दायित्व होगा कि उक्त धनराशि के कोषागार से आहरण के पूर्व विभागाध्यक्ष तथा शासन को विगत वित्तीय वर्ष में अवमुक्त धनराशि का उपयोगिता प्रमाण पत्र उपलब्ध कराए।

2- उक्त धनराशि को व्यय किए जाने के पूर्व वित्त विभाग के द्वारा निर्गत शासनादेश सं०-321/XXVII (1)/2012 दिनांक 19 जून, 2012 की समस्त शर्तों का अनुपालन किया जाएगा और यह शासनादेश वित्त विभाग के उक्त शासनादेश में प्रशासनिक विभाग को प्रतिनिहित किए गए अधिकारों के अन्तर्गत निर्गत किया जा रहा है।

3- उक्त व्यय वर्तमान वित्तीय वर्ष 2012-13 के अनुदान संख्या-30 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक 2425-सहकारिता-आयोजनागत-107-क्रेडिट सहकारी समितियों को सहायता, 108-अन्य सहकारी समितियों को सहायता-800-अन्य व्यय (लघुशीर्षक 02,05) तथा लेखाशीर्षक 6425- सहकारिता के लिए कर्ज, 30-निवेश ऋण के अन्तर्गत संलग्नक की ग,घ,ङ,च एवं ज की पंक्तियों में उल्लिखित सुसंगत प्राथमिक इकाइयों के नामें डाला जायेगा।

संलग्नक- यथोपरि।

भवदीय,

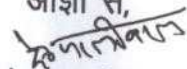
/

(डॉ०पी०एस०गुसांई)
सचिव।

संख्या:- 1189(1)/XIV-1/2012, तददिनांक

प्रतिलिपि:- निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित-

1. महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी, उत्तराखण्ड, देहरादून।
2. निबन्धक, सहकारी समितियां, उत्तराखण्ड।
3. समस्त जिला सहायक निबन्धक, उत्तराखण्ड।
4. बजट राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय, सचिवालय।
5. वित्त अनुभाग-4/नियोजन विभाग, उत्तराखण्ड शासन।
- ✓ 6. एन०आई०सी०, सचिवालय परिसर, उत्तराखण्ड।
7. प्रभारी मीडिया सेन्टर, सचिवालय परिसर, उत्तराखण्ड, देहरादून।
8. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(देवेन्द्र पालीवाल)
उपसचिव

शासनादेश संख्या-1189/XIV-1/12-5(09)/12 दिनांक 25 जुलाई, 2012 का संलग्नक
वित्तीय वर्ष 2012-13 में जिला योजना (एस0सी0पी0) हेतु उपलब्ध बजट के सापेक्ष जनपदों को
लेखाशीर्षकवार धनराशियों के आवंटन का विवरण:-

(धनराशि हजार रू0 में)

क म सं 0	जनपद का नाम	योजना का नाम				योग	योजना		
		2425- सहकारिता- आयोजनागत 107-क्रेडिट सहकारी समितियों को सहायता 02-अनु0जा0 के लिए स्पेशल कंपोनेंट प्लान, 0201- अनु0जा0/ जनजाति को अंश कय हेतु अनुदान, 20- सहायक अनुदान/ अंशदान/ राज सहायता	2425- सहकारिता- आयोजनागत 108-अन्य सहकारी समितियों को सहायता, 02-अनु0 जातियों के लिए स्पेशल कम्पोनेंट प्लान, 20- सहायक अनुदान/ अंशदान /राज सहायता	2425- सहकारिता- आयोजनागत 800-अन्य व्यय, 02-अनु0 जातियों के लिए स्पेशल कम्पोनेंट प्लान 20- सहायक अनुदान/अंश दान /राज सहायता	2425- सहकारिता- आयोजनागत 800-अन्य व्यय, 05-सह0 कय-विकय योजनांतर्गत सहकारी समितियों को वित्तीय सहायता, 20- सहायक अनुदान/अंश दान /राज सहायता		6425- सह0 के लिए कर्ज- आयोजनागत, 107-जमा सह0 समिति को कर्ज, 02-अनु0जा0 के लिए स्पेशल कम्पोनेंट प्लान, 0202-समि0 के सदस्य बनाने हेतु अनु0 जाति/जनजा ति को ब्याज रहित ऋण, 30- निवेश/ऋण	योग	महायोग
क	ख	ग	घ	ङ	च	छ	ज	झ	ञ
1.	नैनीताल	5	0	529	0	534	7	7	541
2.	ऊ0सी0 नगर	0	0	87	0	87	0	0	87
3.	अल्मोड़ा	17	0	1015	0	1032	5	5	1037
4.	बागेश्वर	0	0	610	0	610	0	0	610
5.	पिथौरागढ़	0	0	316	0	316	0	0	316
6.	चम्पावत	1	0	126	0	127	0	0	127
7.	देहरादून	1	3	67	467	538	0	0	538
8.	हरिद्वार	24	0	158	0	182	5	5	187
9.	पौड़ी	0	0	374	0	374	0	0	374
10.	टिहरी	3	0	146	0	149	0	0	149
11.	चमोली	0	0	262	0	262	0	0	262
12.	रूद्रप्रयाग	0	0	177	0	177	0	0	177
13.	उ0काशी	0	0	133	0	133	0	0	133
14.	योग	51	3	4000	467	4521	17	17	4538

(डॉ पी0एस0गुसाईं)
सचिव